भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

जनसंदेश टाइम्स

दिनांक : 12.12.2018

कुंभ में आईआईटी को अहम जिम्मेदारी

वाराणसी। प्रयागराज (इलाहाबाद) में अगले महीने से आरंभ हो रहे अर्ध कुंभ मेले में (स्नानार्थियों)कल्पवासियों को गंगाजल में ही स्नान कराया जाएगा। प्रदेश संरकार की ओर से इसके लिए विशेष तैयारियां की गयी है। आईआईटी बीएचयू को इसके लिए भागीदारी और जिम्मेदारी दी गयी है। मानक विपरीत प्रदूषण करने वाले उद्योगो को कुंभ के दौरान बंद कराया जा सकता है। स्वच्छ जल मिले इसके लिए प्रदेश सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तहत आईआईटी (बीएचयू) को कुंभ मेले के दौरान उद्योगों से निकलने वाले अवजल के प्रदूषण मानक की मॉनीटरिंग की जिम्मेदारी दी है।

इसके तहत, कानपुर के 34 उद्योगों,

बीएचयू

स्वच्छ जल की निगरानी को प्रदेश सरकार ने सौंपा दायित्व

36 उद्योगों के अवजल की जांच करेंगे संस्थान के एक्सपर्ट

2 सीईटीपी और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाले अवजल और मलजल की तीन चरणों में मानीटरिंग एवं जांच की जाएगी। पहले चरण में 23 दिसंबर से 30 दिसंबर, दूसरे चरण में 23 जनवरी से 27 जनवरी और तीसरे चरण में पांच फरवरी से 10 फरवरी के बीच आईआईटी बीएचयू की टीम जांच करेगी।

जांच टीम के प्रोजेक्ट इंचार्ज व केमिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष

मानक विपरीत होने पर होगी कार्रवाई

इन उद्योगों में डाई, ब्लीचिंग, टेक्सटाइल, डेयरी आदि प्रमुख हैं। कुंभ मेले के दौरान जो उद्योग मानक के अनुसार अवजल का उत्सर्जन नहीं करेंगे उन्हें कुंभ मेले के दौरान बंद करने की संस्तुति की जाएगी। इसके अतिरिक्त चार और संस्थानों को अन्य उद्योगों की जांच की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रो.पीके मिश्रा ने बताया कि आईआईटी बीएचयू को कानपुर के 34 उद्योगों और 2 सीईटीपी से निकलने वाले अवजल की जांच करने को कंहा गया है। इस संन्दर्भ में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव की ओर से संस्थान को पत्र प्राप्त हो गया है।